36th INTERNATIONAL GEOLOGICAL CONGRESS

Described as the Olympics of Geosciences, the International Geological Congress (IGCs) are held quadrennially, under the aegis of the International Union of Geological Sciences (IUGS), the Scientific Sponsor of the IGCs. They draw participants to the tune of around 5000 - 7000 delegates from all over the world.

During the mid 19th century, the necessity of holding an International Congress was strongly felt among the community of geologists in Europe and North America. On occasion of the meeting of the American Association for the Advancement of Science held in Buffalo, New York, USA, in 1875, a Committee was formed to consider the organization of an International Congress on Geology. The French Geological Society, under President Tournouër, accepted the request and formed an Organizing Committee chaired by Professor E. Hébert. The Committee persuaded the French Government to provide support for convening an international gathering and succeeded to host the First International Geological Congress, as one of 32 Congresses held by the French Ministry of Agriculture and Commerce in the Trocadero Palace. Since then, 35 Congresses have been hosted by more than 21 countries throughout the world at 3 to 5 year intervals.

The International Geological Congress (IGC) is a nonprofit scientific and educational organization whose meetings are held in collaboration with, and under sponsorship of the International Union of Geological Sciences (IUGS). IUGS holds its General Assemblies in conjunction with Sessions of the IGC. The main purpose of the Congress is to encourage the advancement of fundamental and applied research in the Earth Sciences world-wide.

The 36th IGC, themed "Geosciences: The Basic Science for a Sustainable Future" is scheduled to be held during 20-22 March 2022 on a virtual platform. The event is patroned by the Ministry of Mines and Ministry of Earth Sciences with the scientific support from the Indian National Science Academy (INSA) and Science Academies of Bangladesh, Nepal, Pakistan and Sri Lanka. Geological Survey of India is the nodal organization of the event.

The 36th IGC Society named "36th International Geological Congress" was created on 27th April 2016 under the Society Registration Act, 1860, in accordance with the approval of the Cabinet in its meeting held on 2nd March 2016. Among others, the objective of the Society was to assume full responsibility of all legal, financial, planning and organizational issues of 36th International Geological Congress (IGC) and post 36th IGC from year 2020 to function for promotion and advancement of Geosciences in the region.

36th IGC would provide a unique platform for knowledge and experience sharing in the field of geosciences and professional networking. It would provide first hand information on latest technologies in mining, mineral exploration and management of water, mineral resource and environment. It would also facilitate increased academic production and create opportunities for capacity building across geoscientific streams.

The organization of the event is steered by the President and Secretary General of 36th IGC. President chairs the Executive Committee and the Local Organizing Committee. He is also a member of the Governing Body. Secretary General is a member of the Governing Body, Executive Committee and the Local Organizing Committee.

Department of Posts is pleased to issue Commemorative Postage Stamps on 36th International Geological Congress and celebrates the role of IGC to encourage the advancement of fundamental and applied research in the Earth Sciences world-wide.

Credits:

Stamps/ FDC/ Brochure	: Shri Anuj
Cancellation Cachet	: Smt. Nenu Gupta
Text	: Referenced from the contents provided by the proponent

डाक विभाग

DEPARTMENT OF POSTS

XXXVI GEOLOGORUM CONVENTUS DELHI - INDIA 2020 MENTE ET MALLEO

36वीं अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस

36th INTERNATIONAL GEOLOGICAL CONGRESS

विवरणिका BROCHURE

36वीं अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस

भूविज्ञान के ओलंपिक के रूप में विख्यात अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) का आयोजन इसके वैज्ञानिक प्रायोजक–अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ (आईयूजीएस) के तत्वावधान में प्रत्येक चार वर्ष में एक बार किया जाता है। इस सम्मेलन में विश्व भर से लगभग 5000–7000 प्रतिनिधि भाग लेते हैं।

19वीं शताब्दी के मध्य में, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के भूवैज्ञानिकों द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित किए जाने की आवश्यकता महसूस की गई। 1875 में अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस की बफेलो, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित बैठक के दौरान, भूविज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित करने पर विचार किए जाने हेतु, एक समिति का गठन किया गया। फ्रांस की भूवैज्ञानिक सोसायटी के अध्यक्ष टूर्नर ने उक्त अनुरोध को स्वीकार किया और प्रोफेसर ई. हेबर्ट की अध्यक्षता में एक आयोजन समिति गठित की गई। इस समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय सभा आयोजित करने में सहयोग हेतु फ्रेंच सरकार से अनुरोध किया गया और फलस्वरूप प्रथम अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। यह सम्मेलन, फ्रांस के कृषि और वाणिज्य मंत्रालय द्वारा ट्रोकाडेरो पैलेस में आयोजित 32 सम्मेलनों में से एक है। तब से, विश्व के 21 से अधिक देशों द्वारा 3 से 5 वर्षों के अंतराल पर 35 सम्मेलनों की मेजबानी की जा चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) एक गैर–लाभकारी वैज्ञानिक और शैक्षणिक संगठन है, जिसकी बैठकें अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ (आईयूजीएस) के सहयोग एवं आर्थिक संरक्षण के अधीन आयोजित की जाती हैं। आईयूजीएस द्वारा अपनी आम सभाएं आईजीसी के सत्रों के समन्वय में आयोजित की जाती हैं। इस सम्मलेन का मुख्य उद्देश्य विश्वभर में पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में मूलभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान संबंधी प्रचार–प्रसार को प्रोत्साहित करना है।

36वें आईजीसी का विषय "जियोसाइंसेज: द बेसिक साइंस फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर" (भूविज्ञान : सतत भविष्य के निर्माण में मूलभूत विज्ञान की भूमिका) है। यह सम्मलेन 20–22 मार्च, 2022 के दौरान वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया जाएगा। यह सम्मलेन, खान मंत्रालय एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) तथा बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका की विज्ञान अकादमियों के वैज्ञानिक सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण इस आयोजन का नोडल संगठन है।

36वीं आईजीसी सोसाइटी, अर्थात "36वां अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस" की स्थापना 2 मार्च, 2016 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में प्राप्त अनुमोदन के उपरांत, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत 27 अप्रैल, 2016 को की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य 36वें अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) से संबंधित सभी कानूनी, वित्तीय, योजनागत और संगठनात्मक कार्य करने के साथ–साथ वर्ष 2020 में 36वें आईजीसी के पश्चात संबंधित क्षेत्र में भूविज्ञान के प्रचार–प्रसार और प्रोन्नति के लिए कार्य करना था।

36वां आईजीसी, भूविज्ञान और प्रोफेशनल नेटवर्किंग के क्षेत्र में ज्ञान और अनुभव साझा करने के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान करेगा। यह सम्मेलन, खनन, खनिज अन्वेषण, जल प्रबंधन, खनिज संसाधन तथा पर्यावरण के क्षेत्र में नवीन तकनीकों के संबंध में अनुभव आधारित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करेगा। इससे अकादमिक प्रदर्शन बेहतर होगा और समस्त भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के अवसर तैयार होंगे।

इस सम्मलेन के आयोजन संबंधी समस्त कार्य 36वें आईजीसी के अध्यक्ष और महासचिव द्वारा किए जाएंगे। आईजीसी के अध्यक्ष, कांग्रेस की कार्यकारी समिति और स्थानीय आयोजन समिति के भी अध्यक्ष होते हैं। साथ ही, वे शासी समिति के सदस्य भी होते हैं। इसके महासचिव, शासी समिति, कार्यकारी समिति और स्थानीय आयोजन समिति के सदस्य भी होते हैं।

डाक विभाग, विश्व भर में पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में मूलभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के प्रसार को प्रोत्साहित करने में आईजीसी की भूमिका को रेखांकित करते हुए '36वीं अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस' विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका : श्री अनुज

विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे, 1000 पैसे
Denomination	:	500 p, 1000 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	311100 प्रत्येक
Stamps Printed	:	311100 Each
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00